

बालोतरा में एस.पी. कार्यालय के सामने जमा हुए रविन्द्र सिंह भाटी के समर्थक

बाड़मेर में लोकसभा चुनाव के बाद बवाल, पुलिस आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ

बालोतरा, (निर्स)। राजस्थान की सबसे हॉट सीट बाड़मेर जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र में वोटिंग के दौरान बायतु इलाके में हुई मारपीट की घटना तूल पकड़ गई है। चुनाव संपन्न होने के बाद यह मामला और उलझता जा रहा है। इस मामले को लेकर आज निर्दलीय प्रत्याशी रविन्द्र सिंह भाटी हजारों समर्थकों के साथ बालोतरा पहुंचे।

उन्होंने वहां पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर धरना दे दिया। भाटी के साथ आई कार्यकर्ताओं की फौज को देखकर पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए और वहां भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। बाद में निर्दलीय प्रत्याशी रविन्द्र सिंह भाटी और पुलिस के बीच सहमति बनी।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को मतदान के दौरान बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र में बायतु विधानसभा क्षेत्र में विवाद हो गया था। बताया जा रहा है कि रविन्द्र सिंह भाटी के कुछ समर्थक वहां से निकलते समय अकदडा गांव में एक बूट पर गए थे। वहां उनका कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इस पर वहां कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने भाटी के समर्थकों से मारपीट कर दी। उनकी गाड़ियां तोड़ दीं। उसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस



निर्दलीय प्रत्याशी रविन्द्र सिंह भाटी ने हजारों समर्थकों के साथ बालोतरा में धरना प्रदर्शन किया।

ने वहां मामला शांत करवाया।

रविन्द्र भाटी ने लगाए पुलिस पर गंभीर आरोप:- पुलिस इस मामले में 13 लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था। इनमें भाटी

समर्थक घायल कार्यकर्ता भी थे। बाद में भाटी ने थाने पहुंचकर पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। भाटी ने पुलिस पर एकरफा कार्रवाई करने के गंभीर आरोप लगाए। उनका आरोप था

कि पुलिस ने उनके घायल कार्यकर्ताओं को मेडिकल सुविधा उपलब्ध नहीं होने दी। वेवजह थाने में रखा, लेकिन पुलिस ने उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया।

भाटी ने कहा जो लोग वोट देने घर आ रहे थे उनके साथ मारपीट भी हुई और उन्हें गिरफ्तार भी किया गया।

जोधपुर से भी पुलिस अधिकारियों को बुलाया गया:- उसके बाद शनिवार को सुबह भाटी ने बालोतरा पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव करने की चेतावनी दे डाली फिर वे दोपहर करीब 12 हजारों कार्यकर्ताओं के साथ बालोतरा एसपी ऑफिस पहुंचे। वहां उन्होंने एसपी कार्यालय का घेराव कर दिया। हालात देखकर वहां अतिरिक्त जांचा तैनात किया गया। जोधपुर से भी पुलिस अधिकारियों को बुलाया गया। भाटी की फिलहाल एसपी कुंदन कुंवरिया से वाला चल रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर उनके मांगों को नहीं माना गया तो वे जोधपुर में आईजी ऑफिस का घेराव करेंगे।

4 दिन में कार्रवाई के आश्वासन के बाद धरना समाप्त हुआ। चुनावों के दौरान पकड़ी गई गाड़ियां पुलिस ने तुरंत छोड़ी। भाटी के समर्थकों के साथ मारपीट करने वालों पर पुलिस कार्रवाई करेगी। पुलिस द्वारा पकड़े गये समर्थकों को पुलिस ने रिलीज किया, पुलिस अधीक्षक के साथ वाला और आश्वासन के बाद धरना समाप्त हुआ।

कार पेड़ से टकराई, तीन की मौत, दो गंभीर घायल



कलिनजरा-बागीदौरा मार्ग पर अनियंत्रित कार पेड़ों से टकराकर कार क्षतिग्रस्त हो गई।

बांसवाड़ा, (निर्स)। कलिनजरा-बागीदौरा मार्ग पर एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई जिससे तीन युवाओं की मौत हो गयी वहीं दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात बजाज फाइनेंस कंपनी के कार्मिक कलिनजरा-बागीदौरा मार्ग से कार में

सवार होकर आ रहे थे कि कार अनियंत्रित होकर पेड़ों से जा टकराई जिससे तीन युवाओं की दर्दनाक मौत हो गयी वहीं दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। जिनका जिला मुख्यालय के महात्मा गांधी चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार कर उदयपुर के लिये रेफर किया गया। इस हादसे में बांसवाड़ा शहर

निवासी कुलदीप कंसारा, जिले के टांडी महुडी निवासी अजय मईडा एवं अब्दुल्ला पीर निवासी शेयांग युसुफ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया वहीं कार में ही सवार मोईन विजामुद्दीन व आयुष पांडे रतलाम के गंभीर रूप से घायल होने पर जिला मुख्यालय पर प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर किया गया।

60 घंटे बाद भी शव लेने नहीं पहुंचे माता-पिता

दुंगरपुर, (निर्स)। वरदा थाना क्षेत्र के डोजा गांव में 4 साल के एक बच्चे की बीमारी से मौत हो गई। बच्चे की मौत के 60 घंटे से ज्यादा का समय हो चुका है। शव दुंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी में पड़ा है, लेकिन माता और पिता में अनबन के चलते दोनों ही शव लेने को तैयार नहीं हैं। पुलिस दोनों ही पक्ष से समझाइश के प्रयास कर रही है।

वरदा थानाधिकारी ने बताया कि डोजा गांव में बच्चे की मौत की घटना हुई। मसानिया भागेला फला निवासी कांतिलाल डोडियार मीणा का 4 साल का बेटा मौलिक डोडियार अपने मामा जुमकलाल के घर रहता था। साल भर पहले माता-पिता में अनबन के बाद से मौलिक अपनी मां के साथ ही अपने मामा के घर था। 25 अप्रैल की रात के समय 4 साल के मौलिक की तबीयत खराब हो गई। इस पर उसे अस्पताल लेकर गए जहां से तबीयत ज्यादा खराब

दोनों में चल रही है लड़ाई, तबीयत खराब होने से हुई थी मासूम की मौत

होने पर दुंगरपुर अस्पताल लेकर आए डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर आंटी चोकी से हेड कांस्टेबल संतोष कुमार मौके पर पहुंचे। शव को मोर्चरी में रखवाया। शव 60 घंटे से मोर्चरी में रखा है, लेकिन माता और पिता ने अनबन के चलते दोनों ही पक्ष बेटे का शव लेने तक नहीं आए। वहीं बेटे की मौत के बाद मां और पिता वही बेटे के लोग वोट डालने भी गए थे। शनिवार शाम तक पुलिस की समझाइश के बाद परिजन नहीं माने और शव लेने के लिए माता और पिता में से कोई नहीं आया है। फिलहाल पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।

भागकर की शादी, फिर प्रेमी पर दुष्कर्म का मामला दर्ज

हनुमानगढ़, (निर्स)। परिजनों की मर्जी के खिलाफ विवाह करने वाले प्रेमी युगल के अपहरण व मारपीट मामले में नया मोड़ आ गया है। युवती ने कथित प्रेमी के खिलाफ महिला थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। वहीं इससे पहले प्रेमी युवक के पचास बयान पर टाउन पुलिस ने बुधवार रात युवती के परिजनों पर एससीएसटी एक्ट, अपहरण, छीनाछपाट, मारपीट आदि धाराओं में मामला दर्ज किया था।

इस मामले में टाउन पुलिस ने शुक्रवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया। जांच अधिकारी एससीएसटी सैल सीओ रणवीर साईं ने बताया कि इमीलाल नायक ने पचास बयान से मामला दर्ज कराया था कि उसे व उसकी पत्नी को मंगलामा वगैरह कोलायत से अपहरण कर लाए तथा अपनी ढाणी के पास ले जाकर मारपीट की। इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है तथा आरोपी मंगलाराम भाट निवासी बार्ड आठ, 26 एसएसडब्ल्यू फतेहगढ़ हाल

पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार भी किया

जोड़कियां तथा कृष्ण भाट निवासी सालोवाला को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। कृष्ण भाट को जेल भिजवा दिया तथा मंगलाराम का पीसी रिमांड मंजूर करवाया गया। वहीं युवती ने महिला थाने में मामला दर्ज कराया कि संदीप उर्फ इमीलाल निवासी जोड़कियां, पुष्पा पत्नी ओमप्रकाश व ओमप्रकाश निवासी रोड़वाली उसे नशीली वस्तु खिलाकर ले गए संदीप ने उससे दुष्कर्म किया। सीओ साईं ने बताया कि दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करवाने वाली पीड़िता के बयान करवा दिए गए हैं। दोनों प्रकरणों की जांच एससीएसटी सैल सीओ रणवीर साईं कर रहे हैं।

एसीबी के तहसील कार्यालय पर छापे की कार्रवाई

जिला कलेक्टर एवं हल्का पटवारी पर पीसी एक्ट में मुकदमा दर्ज

दूदू, (निर्स)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के निर्देशन पर जिला कलेक्टर एवं हल्का पटवारी द्वारा भूमि परिवर्तन के लिए मांगी गई 25 लाख रुपए की रिश्त के प्रकरण में पीसी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर दूदू डाक बंगला जो वर्तमान में जिला कलेक्टर आवास है में देर रात को तहसील कार्यालय पर छापे की कार्रवाई की गई।

ब्यूरो के उपमहानिरीक्षक डॉ रवि के निर्देशन अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह को टीम में पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। बताया कि परिवर्तन द्वारा दर्ज शिकायत में आरोप लगाया था कि फर्म के नाम से अजमेर रोड पर 204 बीघा जमीन में से कुछ

भूमि परिवर्तन के लिए 25 लाख रुपए की रिश्त मांगने का आरोप

खसरे तालाब पाल क्षेत्र में होने के कारण परिवर्तन करने की बात को लेकर शिकायत जिला कलेक्टर के यहां की गई थी। जिसके बदले में जिला कलेक्टर हनुमानमल ढाका एवं हल्का पटवारी हंसराज चौधरी द्वारा 25 लाख रुपए की मांग रखी गई। इसके बाद भी परेशान किया गया। परिवर्तन द्वारा 21 लाख में सौदा तय कर लिया लेकिन परिवर्तन ने दोबारा सोच कर यह राशि अधिक

बताकर 15 लाख में फाइनल कर लिया। इसके बाद मोबाइल से रिकॉर्डिंग के बाद डाक बंगला दूदू जो वर्तमान में कलेक्टर आवास है पर सात लाख पचास हजार रुपए मंगवाए गए ब्यूरो द्वारा प्रारंभिक जांच में जिला कलेक्टर हनुमानमल ढाका एवं पटवारी हंसराज चौधरी द्वारा रिश्त की मांग करने का सत्यापन कर दोनों के विरुद्ध पीसी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया। न्यायालय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर से सच वारंट प्राप्त कर जिला कलेक्टर आवास, तहसील कार्यालय दूदू में तलाशी की जाकर रिकॉर्ड खंगला गया। शनिवार की सुबह जिला कलेक्टर आवास सूना नजर आया।

मतपेटी जमा कराने के दौरान कार्मिक की तबियत बिगड़ी

दुंगरपुर, (निर्स)। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद मतपेटी जमा कराने जाने के दौरान एक कार्मिक कृतीचंद की तबियत बिगड़ गई। जिसे आनन फानन में जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां इलाज के दौरान कार्मिक की मौत हो गई। जिसका शिकायत जिला निवासी मोर्चरी में रखवाया गया। जिसके बाद पीएम की कार्यवाही के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया। मृतक शिक्षा विभाग प्रारंभिक में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यरत था। शनिवार सुबह मृतक के परिजन मोर्चरी पहुंचे तथा मृतक बड़े भाई ने पुलिस का रिपोर्ट देकर बताया कि देवल निवासी 56 वर्षीय कृतीचंद पुत्र मूलचंद कलाल जो कि जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त था।

उदयपुर में हुआ 66.66 प्रतिशत मतदान, पिछले चुनाव से 3.4 प्रतिशत कम रहा

कांग्रेस-भाजपा में सीधा मुकाबला, हार-जीत का अंतर हो सकता है कम

उदयपुर, (कांस)। उदयपुर लोकसभा सीट के दूसरे चरण में हुए मतदान में 66.66 प्रतिशत मतदान हुआ जोकि पिछले चुनाव से 3.4 प्रतिशत कम है। मतदान के इन आंकड़ों ने नेताओं की चिंता बढ़ा दी है। पिछले चुनाव में 69.99 प्रतिशत मतदान हुआ था। यहां सीधा मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच है। नया राजनीतिक दल भारतीय आदिवासी पार्टी इस सीट पर कोई खास जोड़-तोड़ नहीं कर पाया क्योंकि कांग्रेस और बाप के बीच हुए समझौते के तहत यहां कांग्रेस को समर्थन करना है।

उदयपुर लोकसभा सीट के दूसरे चरण में हुए मतदान को लेकर नेताओं, कार्यकर्ताओं से लेकर जनता में उत्साह और जोश था लेकिन शनिवार को मतदान के अधिकृत आंकड़े सामने आए तो कम वोटिंग ने नेताओं की चिंता बढ़ा दी। सबसे अधिक मतदान झाड़ोल विधानसभा क्षेत्र में 75.05 जबकि सबसे कम आसपुर विधानसभा क्षेत्र में 62.41 प्रतिशत मतदान हुआ। असल में तीनों दलों की सक्रियता और जिला प्रशासन के जागरूकता अभियान से यह समझ आ रहा था कि मतदान प्रतिशत तो बढ़ेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

नेता और आमजन मतदान प्रतिशत कम होने के सब अपने अपने मायने निकाल रहे हैं। परिणाम चार जून को आने के बाद तस्वीर साफ हो जाएगी कि सांसद किस पार्टी का बनेगा। अधिकृत प्राप्त आंकड़ों के अनुसार गोनुदा में 63.35, झाड़ोल में 75.05, खरवाडा 63.68, उदयपुर ग्रामीण 69.53, उदयपुर शहर 65.17, सल्फूर 62.88, धरियावाड 69.35, आसपुर 62.41 प्रतिशत मतदान हुआ। पिछले दो चुनावों पर नजर डाले तो यहां वोटिंग कम-ज्यादा रही लेकिन चुनाव भाजपा जीती। 2014 में 65 प्रतिशत वोट पड़े तब भाजपा यहां से करीब 2.36 लाख से जीती थी। वहीं 2019 में 70 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग हुई तब भी भाजपा जीती। भाजपा के अर्जुनलाल मीणा 4.37 लाख वोट से जीतकर दूसरी बार सांसद पहुंचे थे। वहीं 2009 के चुनाव में मतदान बहुत कम हुआ था। यहां पर कांग्रेस के रघुवीर सिंह मीणा ने भाजपा के महावीर भगोर को 1.64 लाख वोट से हराया था। इस बार वोटिंग 66.66 प्रतिशत रहा जो कि पिछले आंकड़े से भी कम है। वोटिंग कम होने को लेकर दोनों दलों

के प्रत्याशी और कार्यकर्ता अलग-अलग कारण मानते हैं। झाड़ोल में ज्यादा वोटिंग से कांग्रेसी यह कयास लगा रहे हैं कि कांग्रेस उम्मीदवार ताराचंद मीणा ने कलेक्टर रहते मिशन कोटड़ा अभियान चलाया था, उसका फायदा होगा जबकि भाजपा का मानना है कि वहां की जनता ने ज्यादा वोटिंग कर जवाब दिया है।

चुनाव बूथ से 200 मीटर दूर भाजपा के पोलिंग एजेंटों की कुर्सियां जहां दुपहरी में भी भरी होने के साथ भीड़भाड़ दिखाई दी। वहीं कांग्रेस एजेंटों वाली कुर्सियों में सजाटा दिखाई दिया। कुछ बूथ तो ऐसे थे वहां एक या दो जने बूथ संभाल रहे थे और बूथ खाली होने से वहां कोई मतदाता भी नहीं दिखे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह नहीं दिखा। शहर जिलाध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ ने कई बूथ देखे थे। भाजपा में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में भी जोश था। पार्टी के युवा मोर्चा की टीम सक्रिय थी। भाजपा के बूथ पर कार्यकर्ताओं की फौज इतनी थी कि बैठने की जगह भी नहीं मिल रही थी। सबसे अहम हर कार्यकर्ता को अलग अलग टास्क दे रखा था। भाजपा ने पूरे बंधन के साथ

मतदान के दिन काम किया। जब शाम चार से छह बजे का समय था तब भाजपा के घर से बूथ तक वोटर लाने के लिए बड़े स्तर पर काम किया गया। कई बूथ पर छह बजने से पांच मिनट पहले तक कई मतदाताओं को वोट कराने भेजा। चुनाव विश्लेषकों के अनुसार चुनाव कोई भी जीते लेकिन इस बार जीत का अंतर कम होगा। इसके पीछे वे बताते हैं कि वोट तीन जगह भाजपा, कांग्रेस और बीएपी में डायवर्ट हुआ है। वे कहते हैं कि बीएपी दुंगरपुर के आसपुर और प्रतापगढ़ के धरियावद में इनके विधायक हैं तो उसका फायदा तो उन्हें होगा। पिछले चुनाव में मतदान का प्रतिशत सबसे ज्यादा होने के पीछे मुख्य कारण राष्ट्रवाद का मुद्दा था, जिसका सीधा असर था और लोग घरों से स्वतः वोट करने निकले थे। अभी इस लोकसभा क्षेत्र में शामिल 8 में से 5 भाजपा के खाते में हैं। एक कांग्रेस और बीएपी के खाते में हैं। दो विधायक हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने कन्हैया लाल हत्याकांड को मुद्दा बनाया था। अभी यहां आए केन्द्रीय गुहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी इस मामले को उठाया था।

नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवती से किया दुष्कर्म

भीलवाड़ा, (निर्स)। एक युवती को अच्छी नौकरी दिलाने और बढ़िया सैलरी का झांसा देकर चिलौड़ से बुलाकर नशीला जूस पिलाकर एक युवक ने उसका दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना उसे वायरल करने की धमकी देकर लगातार पीड़िता को तलाश कर रहा। इतना ही नहीं युवक ने अपने दोस्तों से रिलेशन बनाने के लिए जब महिला पर दबाव बनाया तो परेशान पीड़िता ने कोर्ट इस्तगसा के

द्वारा थाने में आरोपित के खिलाफ केस दर्ज करवाया। मामला शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। थाना प्रभारी सुान सिंह ने बताया कि कोर्ट इस्तगसा के बाद मामला दर्ज हुआ है। पीड़िता द्वारा दी रिपोर्ट में बताया कि 4 साल पहले वो चिलौड़ में रहती थी और उसे जब की तलाश थी। महिला ने सोशल मीडिया पर अपना एक रिस्यूमे पोस्ट किया जिसे देखकर भीलवाड़ा में रहने वाले कुंदन

झा ने उसे जब और अच्छी सैलरी का झांसा दिया और भीलवाड़ा बुलाया। यहां कुंदन एक मकान में ले गया जहां उसे नशीला पदार्थ मिला जूस पिला दिया और वो बेहोश हो गई। उसकी बेहोशी का फायदा उठाकर युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया, जब उसे होश आया तो कुंदन उसके पास ही बैठा था। पीड़िता के नाराज होने पर युवक ने उसका अश्लील वीडियो बनाया और किसी को भी इस बारे में बताने पर उसे वीडियो वायरल

करने की धमकी दी। उसके बाद कुंदन ने पीड़िता को लगातार इस वीडियो को दिखाकर ब्लैकमेल किया और उसका दुष्कर्म करता रहा। इसके बाद उसने अपने कुछ दोस्तों को युवती के पास लेकर आया और उनसे भी फिजिकल होने का दबाव दबाव बनाया। परेशानी युवती ने कुंदन के खिलाफ इस्तगसा से मामला दर्ज करवाया है। प्रताप नगर पुलिस ने कुंदन के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

ट्राले ने ट्रैक्टर को टक्कर मारी, गेहूं से भरा ट्रैक्टर खाई में गिरा

ट्रैक्टर में सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हुए

पाटन, (निर्स)। दो दिन पहले घटी तक के बाद भी पुलिस को अभी तक कोई सबक नहीं मिला है, उसी का नतीजा आज फिर देखने को मिला है। घटना नीमकाथाना रोड जीर की चौकी की है, जहां एक तेज गति से जा रहे ट्राले ने गेहूं से भरे हुए ट्रैक्टर को टक्कर मार दी, जिससे गेहूं से भरा हुआ ट्रैक्टर ट्राली सहित खाई में जा गिरा।

ट्रैक्टर में सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, घायलों को एंबुलेंस के द्वारा जिला अस्पताल नीमकाथाना में भर्ती करवाया गया। घायल मोनु, चंदगीराम व जयकिशन नीमकाथाना के पास हीरा काली के



पाटन में ट्रैक्टर के बाद गेहूं से भरी ट्रैक्टर-ट्राली खाई में जा गिरा।

रहने वाले बताए जा रहे हैं, जो रायपुर से गेहूं लेकर अपने गांव जा रहे थे।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची सदर पुलिस ने ट्राले को हिरासत में ले लिया

है और उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। लोगों ने बताया कि 24 अप्रैल को पाटन क्षेत्र में एक ओवरलोड ट्राले ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी थी जिससे तीन पुलिस कर्मियों की मौके पर मौत हो गई थी। इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी क्षेत्र में ओवरलोड वाहन तेज गति से दौड़ रहे हैं। लोगों ने बताया कि अधिकांश वाहन चालक अनुभवहीन हैं जिस कारण आए दिन दुर्घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस प्रशासन से जांच वाहन चालकों की बारीकी से जांच करें तो अधिकांश वाहनों में अनुभवहीन चालक देखने को मिल सकते हैं।